सवाईमाधोपुर : परिचय व जैव विविधता

- सवाईमाधोपुर जिला किला रणथम्भौर, गणेशजी मन्दिर एवं रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान हेतु विश्व प्रसिद्ध है।
- जिले का क्षेत्रफल 5043 वर्ग किमी. मे से 807.44 वर्ग किमी. वन क्षेत्र है, जो कुल भौगोलिक क्षेत्र का 16.18 प्रतिशत है। औसतन तापक्रम 4° से 45° से. व औसत वार्षिक वर्षा 873.4 मिमी. है। प्रमुख नदियां बनास, चम्बल एवं मोरेल व प्रमुख बांध –सूरवाल, मोरासागर व भगवतगढ़ हैं।
- जिले की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि यहाँ पर अरावली एवं विंध्याचल पर्वत शृंखलाओं का मिलन होता है जिसे ''ग्रेट बाउण्ड्री फाल्ट'' कहा जाता है। जिले में ''उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती'' श्रेणी के वन पाये जाते हैं।
- सवाईमाधोपुर जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध है। यहाँ 207 प्रजाति के पेड़ पौधे पाये जाते हैं। सवाईमाधोपुर में स्तनधारी वर्ग के 31, पक्षी वर्ग के 272, सरीसृप वर्ग के 12, मछली वर्ग के 9 व उभयचर वर्ग के 2 वन्यजीव पाये जाते हैं। मुख्य खाद्य फसलों में बाजरा, ज्वार, गेहूं, मक्का, जौ, चना, उड़द, मसूर आदि शामिल हैं। तिलहनी फसलों में तिल, सरसों, अलसी, मूंगफली, सोयाबीन आदि शामिल हैं। विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन भी होता है, मिर्च खंडार की बहुत प्रसिद्ध है।
- 2011 की जनगणना के आधार पर जनसंख्या 1338114 हैं जिसमें से पुरुष 706558 तथा महिलाएं 631556 हैं।
- जिले में पशुधन की संख्या 5.32 लाख हैं। पशुधन गणना 2007 के अनुसार गाय एवं बैल – 91358 ; भैंस – 178271 ; भेड़ – 66168 ; बकरी – 191311 ; घोड़े एवं टट्टू – 248 ; गधा/खच्चर – 1228 एवं ऊंट–3769 हैं।
- जैव विविधता संरक्षण प्रदान करने हेतु चल रही विभिन्न योजनाएं :

  1. राजस्थान वानिकी एवं जैव–विविधता परियोजना, 2. वन विकास अभिकरण, 3. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम, 4. राष्ट्रीय बेम्बू मिशन, 5. तेरहवें वित्त आयोग के तहत वन सम्पदा का संरक्षण।
- यहां के जैविक अवयवों पर आधारित खाद्य उत्पादन, वस्त्र निर्माण, लेदर लगेज हैंड बैग एवं काष्ट सामग्री निर्माण के उद्योग हैं।

बोर्ड की गतिविधियाँ

(जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 22 के प्रावधानानुसार, राजस्थान सरकार द्वारा राज्यादेश क्रमांक प.4(8) वन/2005/पार्ट–I जयपुर, दिनांक 14 सितम्बर, 2010 से राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड की स्थापना की गई।)

❊ अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस समारोह का आयोजन

❊ जैव विविधता विषयक सामग्री का प्रकाशन

❊ कार्यशाला, प्रशिक्षण शिविर, इको–क्लब/ बी.एम.सी. सदस्यों का भ्रमण आयोजन

❊ जैव विविधता प्रबंध समितियों का गठन व लोक जैव विविधता पंजिका तैयार करना

❊ जैविक संसाधनों का संरक्षण
❊ जैव विविधता विरासतीय स्थलों का चयन एवं अधिसूचित
❊ जैव सम्पदा के व्यवसायिक उपयोग का स्टेटस सर्वे
❊ प्रोत्साहन वर्धन

माता भूमिः पुत्रोऽह पृथिव्याः

भूमि माता है, समस्त जीव इसके अवयव हैं, हम पृथ्वी पुत्र हैं। इसका संरक्षण, संवर्धन व सतत् उपयोग करना हमारी कर्तव्य परायणता है।

जैव विविधता : सवाई माधोपुर

राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड

7, द्वारिकापुरी, जमना लाल बजाज मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर

जैव विविधता

पृथ्वी पर पाये जाने वाले जीवन के पृथक-पृथक रूप ही जैव विविधता है। समृद्ध जैव विविधता बहुत कुछ प्रदान करती है, यथा भोजन, औषधियाँ, वस्त्र, आवास, आमोद-प्रमोद के साधन, सांस्कृतिक, शोध के अवसर, उद्योगों के लिये कच्चा माल और बहुत कुछ।

सवाई माधोपुर की समृद्ध जैव विविधता

आवास

औषधियाँ

उद्योग के लिए कच्चा माल

भोज्य पदार्थ

सांस्कृतिक

आमोद-प्रमोद

सब कुछ देती जैव विविधता। सतत् उपयोग से बनी रहेगी समरसता।।
अत: जैव विविधता संरक्षण हेतु हम आज ही शपथ लेवें।

जैव विविधता पर बढ़ते संकट

✲ आनुवंशिक विविधता में कमी व निम्नीकरण

लुप्त प्रजाति

प्रजाति में होता क्षरण

✲ आवास विखंडन

✲ प्राकृतिक संसाधनों का अति उपभोग

✲ विदेशी प्रजातियों का प्रसार

✲ जलवायु परिवर्तन

✲ मरुस्थलीय प्रसार

✲ भूउपयोग परिवर्तन

✲ विकास परियोजना का प्रभाव

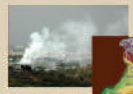

✲ प्राकृतिक आपदा

70% भूभाग का जैव विविधता सर्वेक्षण ही हुआ है 46000 पादप व 89000 जन्य प्रजातियों का पता लगा है, लगभग 4 लाख प्रजातियां हैं।

✲ जैव विविधता सूचना का अभाव

आओ हम सब, हमारे व आने वाली पीढियों के लिये,
जैव विविधता का संरक्षण, संवर्धन व सतत उपयोग करें।

जैव विविधता संरक्षण व सुधार के उपाय

स्थानिक प्रजातियों को बढ़ावा देना

विदेशी प्रजातियों का उन्मूलन

जैविक खाद व कीटनाशक का प्रयोग

जैविक संघटकों का सतत उपयोग

अक्षय ऊर्जा का उपयोग

वन्य जीवों का संरक्षण

वनों का संरक्षण

जैव विविधता सूचना का प्रत्येक स्तर पर संकलन करना

अब भी समय है, हम हमारी जैव विविधता को संकट मुक्त कर
आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करें।